

## AWARENESS PROGRAMME on “Fish Disease Surveillance and Management”

(Bariaria, East Champaran, 16<sup>th</sup> December, 2017)

An Awareness programme on “Disease surveillance and management in Bihar” was organised on 16.12.2017 at village Bariaria under Sangrampur block, district Motihari, Bihar by ICAR Research Complex for Eastern Region, Patna under the “*National Surveillance Programme for Aquatic Animal Diseases*” project. The main objective of the programme was to sensitize fish farmers about the fish diseases and its management strategies.



At the start of the programme, trainees and participants were taken to the Kashyap fish hatchery and fish farm and discussed different important management practices and culture related aspects as well as precautions to be taken in fish hatchery and fish farm. Subsequently, in meeting, different aspects of fish culture practice were described to the farmers like the reasons of disease occurrence in fish ponds, management of water quality parameters, maintenance of stocking density, importance of feed and feeding, prevention of disease, prophylactic techniques etc. This followed by a farmer-scientist interaction where farmers spoke their different problems faced during starting of the fish culture to marketing. Most of the farmers were interested about the fish feed issues and disease prevention. Different types of medicine and chemicals and their use in fish culture practice were also explained to the farmer. In the programme about 61 farmers, mostly from north Bariaria panchyat were present. In the meeting Dr. Kamal Sarma, Mr. Ravi Kumar, Mr. Surinder Kr. Ahirwal, Mr. Devanarayan, from ICAR RCER and proprietor of the fish hatchery Mr Jitendra Kr Kashyap along with many other personalities were present.





**प्रशिक्षण** | आईसोएआर के वैज्ञानिकों ने कार्यशाला आयोजित कर किसानों को दो जानकारी  
**‘मछली पालन कर किसान सुधार सकते हैं आर्थिक स्थिति’**

भास्कर न्यूज़ | संजयमपुर

प्रखंड के उत्तरी चरियरिया पंचायत में शनिवार को कृषि विस्तारीज परिसर में आईसोएआर के तत्वाधान में मत्स्य रोग निगरानी प्रणाली और प्रबंधन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पूरे क्षेत्र के प्रमुख मछली पालक और किसानों को मछली पालन के गुरु मत्स्य वैज्ञानिकों की केंद्रीय टीम द्वारा सिखाया गया। मत्स्य वैज्ञानिक डॉ कमल शर्मा, डॉ तारकेश्वर कुमार, डॉ रवि कुमार और डॉ सुरेंद्र कुमार अहीवाल ने उपस्थित लोगों को मछली पालन के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मछली पालन किसानों के लिए एटीएम मशीन है। मछली पालन से किसान अपनी आर्थिक स्थिति सुधार कर सकते हैं।



संजयमपुर में किसानों को मछली पालन की जानकारी देते वैज्ञानिक।

**समेकित मछली पालन ज्यादा लाभदायक**

मछली पालन में कम लागत और अत्यधिक मुनाफा के लिए समेकित मछली पालन ज्यादा लाभकारी है। इसके बड़े में वैज्ञानिक कमल शर्मा ने कहा कि मछली के सव सुर्जी पालन, बकरी पालन, बतख पालन या गाय पालन करके अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। इससे किसान ज्यादा लाभ कमकर आर्थिक रूप से सज्जत होंगे।

**मछली में होनेवाले रोग और रोकथाम**

मछली में होने वाले रोगों को जानकर ही देते हुए हेचरी प्रबंधक यशवंत कश्यप ने बताया कि मुख्य रूप से विषाणु जनित रोग, जीवाणु जनित रोग, तंत्रिका संक्रमण, वायरल रोग और परजीवी जनित रोग मछलियों को प्रभावित करते हैं। जिनका रोकथाम पानी को साफ रख, जमक का घोल डालकर या बर्फ देकर कर सकते हैं।

**ये रहे उपस्थित**

विश्वेन्द्र सिंह, छुशील घुसे, पद्म सिंह, विश्वेन्द्र टंडन, राज कुमार, अरविंद पांडेय, अमर पांडेय, बलदेव पासव, प्रभात सिंह, श्री निवास सिंह, अमरेंद्र सहाय, शशिकांत घुसे, मंदलाल भगत, अजित कुमार सिंह, संजय सठ्ठी, रामचरण, लालबबू आदि उपस्थित थे।

**मछलियों के उत्तम नस्ल**

मछली वैज्ञानिक रवि कुमार ने मछली पालकों को मछलियों के उत्तम नस्लों की जानकारी देते हुए बताया कि यहां के जल के लिए कतला, देवू, बटा, घड़नीज पौष्टिया, सिल्वर कार्प, ग्रास कार्प और कर्ल कार्प उपयुक्त है। जिनका पालन किसानों को जल्द सफल करने में सहायक होगा।